



# ए.बी. ट्रेडर्स

फंडिंग का प्रकार : बूटस्ट्रेप  
स्टेज : एम.वी.पी.

हमारे देश में पशुधन, खाद्य सुरक्षा एवं चारा भंडारण पर कभी भी गंभीरता पूर्वक विचार नहीं किया गया है।  
वर्तमान में इसकी बहुत महत्ता है। हमारी संस्था इसी विषय में काम करने को अग्रसर है।

संस्थापन की तारीख  
19 मार्च 2014

संस्थापन की स्थान  
झाँसी, उत्तर प्रदेश



गौ वंश को सस्ता चारा पहुचाना



इन्क्यूबेशन सेण्टर



बुंदेलखंड इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेण्टर  
फाउंडेशन, बी.आई.ई.टी. झाँसी



बंगला संख्या 11, भगवतीपूरा, पी.ए.सी.  
राजगढ़ के सामने, झाँसी, उत्तर प्रदेश।



+91-9415067577

#startupindia



के द्वारा प्रमाणित



# हमारी टीम

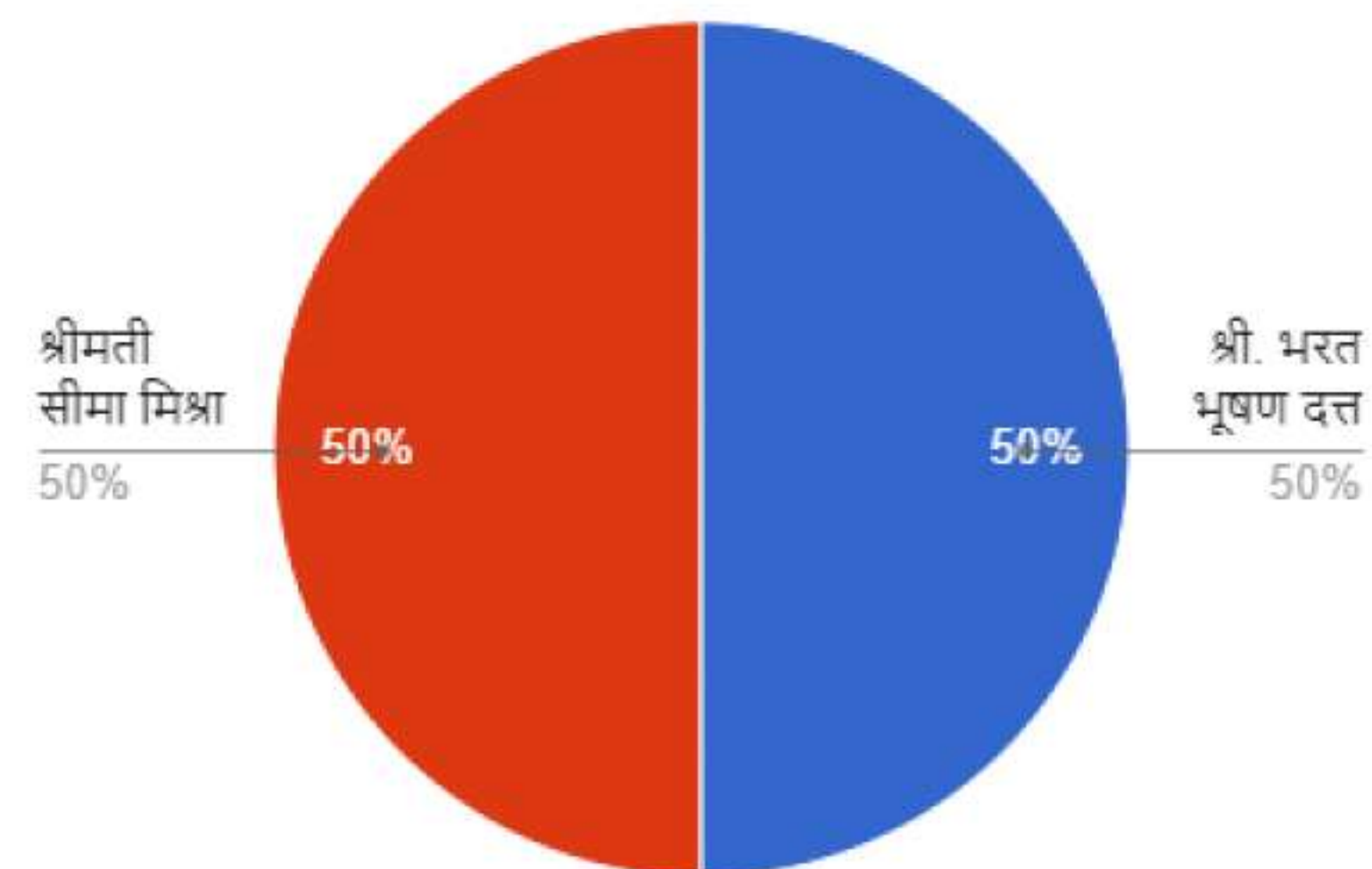


श्री. भरत भूषण दत्त  
संस्थापक



श्रीमती सीमा मिश्रा  
संस्थापक

ए.वी. ट्रेडर्स शेयर होल्डिंग्स







# समस्या एवं समाधान

## समस्या - 1



बाज़ार में उचित कीमत ना मिलने के कारण किसान फसल के बाद फसल अवशेष को खेत में ही जला देता है।

वायु प्रदूषण होता है।

पशुओं के लिए पोषक चारे के रूप में इस्तेमाल हो सकने वाले फसल अवशेष का नाश होता है।

प्रदूषण में कमी आएगी।

किसानों से उचित दाम पर चारा खरीदे जाने पर उन्हें भी आर्थिक लाभ होगा।

## समाधान - 1



हमारी संस्था उसी बचे फसल अवशेषों को सही भण्डारण कर उपयोग में लाएगी।





# समस्या एवं समाधान

समस्या - 3

समस्या - 2

समाधान - 2



सही भण्डारण की व्यवस्था न होने के कारण फसल अवशेष खुले में ही रखे जाते हैं।

पानी से चारे के खराब होने की आशंका बनी रहती है।



हमारी संस्था ने चारा भण्डारण हेतु 25000 वर्ग फूट में गोडाउन बनाया है, जिसमें चारे को खुला ही रखा जाता है ताकि उसकी पोषकता बनी रहे।



बिना कॉम्पैक्ट किये चारे को ट्रांसपोर्ट करने में बहुत परेशानी भी आती है, जिससे गाड़ियों में ओवरलोडिंग की समस्या होती है।

समाधान - 3



कंप्रेसर उपकरण द्वारा चारे को दबाने के बोरियों में भरने से कम जगह में ज्यादा चारा रखा जा सकता है और उसका परिवहन भी आसन हो जाता है।





# बाज़ार की क्षमता

भारत मुख्य रूप से एक बड़े कृषि क्षेत्र वाला कृषि प्रधान देश है, जो इसे इस तरह के स्टार्टअप के लिए एक आदर्श बाजार बनाता है।

भारत में मवेशियों, भैंसों, बकरियों और भेड़ों सहित दुनिया की सबसे बड़ी पशुधन आबादी है। इस उद्योग को पशुधन की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पशु आहार की आवश्यकता होती है।

भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र का समर्थन करने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिनमें अपशिष्ट प्रबंधन पर केंद्रित कार्यक्रम शामिल हैं। हमारा स्टार्टअप फंडिंग, सब्सिडी और तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन पहलों का लाभ उठा सकता है।



# विक्रय की खास खूबी (एम. वी. पी.)

1. इस परिक्षेत्र में पहली पहल होने के कारण हमारे पास पूरा बाज़ार हमारे लिए खुला है।
2. किसानों को अभी तक कूड़ा समझे जाने वाले फसल अवशेषों की कीमत मिलने पे हमें हमारा कच्चा माल आसानी से एवं सस्ते दामो पर उपलब्ध होगा।
3. पौष्टिक एवं सस्ता पशु चारा मुहैया करने पर हमारे ग्राहक गिनती में भी वृधि होगी।





# व्यापार मॉडल

## राजस्व मॉडल

मक्का पालकों से सीधा व्यापार।

प्रदेश भर में बनीं गौ शालाओं में सप्लाई।

भण्डारण गोदाम के किराये से आय।

चारा सप्लाई कंपनियों से व्यापार।



खाड़ी देश जैसे सऊदी अरब जहाँ मक्का बाज़ार है किन्तु रेगिस्तानी भूमि होने के कारण चारा नहीं होता उनसे वस्तु विनिमय प्रणाली के अंतर्गत व्यापार करना।

हमारे गोदाम की सेक्टर हाइट 50 फीट की है जो की स्वयं में एक मानक है।



## 5 साल की योजना

### भौगोलिक पहुंच

उत्तर प्रदेश, मूल्यतः बुंदेलखंड प्रान्त में

हमारे प्रोजेक्ट का पूर्ण क्षेत्रफल 44000 वर्ग फूट है जिसमें से 25000 वर्ग फूट में भण्डारण हेतु गोदाम बना है।



# बाजार में प्रतिस्पर्धा

हमारे देश / प्रदेश में पशुधन खाद्य सुरक्षा एवं चारा भण्डारण पर कभी गंभीरता से विचार नहीं किया गया है, न ही सरकारी और न ही प्राइवेट संस्थाओं द्वारा, शायद यही कारण है की हमारी संस्था इस दिशा में काम करने वाली पहली संस्था है।



इस क्षेत्र में सर्वप्रथम संस्था होने के कारण हमारे सामने बहुत ही बड़ा उत्तरदायित्व है की इस क्षेत्र को एक नया आयाम दें और आने वाले समय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहे।



# 5 लाख प्रोटोटाइप अनुदान के लिए आवेदन



हम प्रोटोटाइप अनुदान का प्रयोग मशीनरी जैसे कंप्रेसर, आदि में शोध करने हेतु एवं अन्य मशीनरी को खरीदने में करेंगे।

हमारी शोध टीम ये सुनिश्चित करेगी की हम ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे न्यूनतम निवेश से बढ़िया लाभ हासिल हो सके।







# धन्यवाद !

हमें सुनने और हमारे प्रयास को ये अवसर प्रदान करने के लिए ।